न्यूजीलैंड ने दूसरे वनडे में वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराकर सीरीज की बराबर

गयाना

स्पिनर जेडेन लेनाक्स के करियर के पहले पांच विकेट और न्यूजीलैंड के स्पिन आक्रमण के शानदार प्रदर्शन की बदौलत टीम ने दूसरे वनडे में वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली।

प्रोविडेंस स्टेडियम में स्थानीय समयानुसार सोमवार को खेले गए मुकाबले में लेनाक्स ने 19 रन देकर 5 विकेट झटके, जबकि मिचेल सैंटनर और माइकल ब्रैसवेल ने दो-दो विकेट लिए। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी रही। जान कैंपबेल (43) और अकीम आगस्टे (18) ने पहले विकेट के लिए 63 रन जोड़े।

लेकिन इसके बाद न्यूजीलैंड के स्पिनरों ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। आगस्टे के आउट होने के बाद कैंपबेल भी सैंटनर का शिकार बने। इसके बाद लेनाक्स ने कप्तान शाई होप और शेरफेन रदरफोर्ड को लगातार झटके देकर वेस्टइंडीज को मुश्किल में डाल दिया। कीसी कार्टी, गुडाकेश मोती, मैथ्यू फोर्ड, आमिर जंगू, विटेल लाज और अन्य बल्लेबाज भी स्पिनरों के सामने टिक नहीं सके।

न्यूजीलैंड के स्पिनरों ने कुल 9 विकेट अपने नाम किए और पूरी वेस्टइंडीज टीम 36 ओवर में 138 रन पर सिमट गई। 139 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड को भी शुरुआती झटके लगे। विल यंग (28) अच्छी शुरुआत के बाद आउट हुए, जबकि मार्क चैपमैन रन आउट हो गए। हेनरी निकोल्स भी बड़ी पारी नहीं खेल सके। इसके बाद डेरिल मिचेल (28) और टाम लैथम ने पारी को संभाला और चौथे विकेट के लिए अहम साझेदारी की। हालांकि मिचेल और डीन फाक्सक्राफ्ट के विकेट गिरने से एक समय मुकाबला थोड़ा रोचक हुआ, लेकिन टाम लैथम (नाबाद 37) और माइकल ब्रैसवेल ने संयम से बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड को 32.4 ओवर में 141/5 तक पहुंचाकर जीत दिला दी।

न्यूज ब्रीफ

फीफा विश्व कप 2026: स्पेन के खिलाफ सेमीफाइनल से पहले एमबाप्पे ने नहीं किया अभ्यास

डलास। फ्रांस के कप्तान किलियन एमबाप्पे ने फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल से पहले सोमवार को टीम के अंतिम अभ्यास सत्र में पूरा हिस्सा नहीं लिया। हालांकि, टीम प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि उनकी मामूली टखने की चोट गंभीर नहीं है और वह स्पेन के खिलाफ होने वाले मुकाबले में खेलने के लिए पूरी तरह उपलब्ध रहेंगे। एमबाप्पे को पिछले सप्ताह मोरक्को के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले के दौरान टखने में हल्की चोट लगी थी। फ्रांस ने वह मैच 2-0 से जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। मुकाबले के अंतिम चरण में एहतियातन उन्हें मैदान से बाहर बुला लिया गया था। सेमीफाइनल से पहले सोमवार को आयोजित अभ्यास सत्र में एमबाप्पे ने सीमित समय तक ही हिस्सा लिया। फ्रांस के मुख्य कोच दिदिएर डेशां ने उनकी फिटनेस को लेकर किसी भी तरह की चिंता से इनकार किया। डेशां ने कहा, किलियन पूरी तरह ठीक हैं। उन्होंने अभ्यास किया है। हमने केवल उनकी ट्रेनिंग का समय थोड़ा कम रखा। जहां बाकी खिलाड़ी एक ड्रिल में 15 मिनट रहे, वहीं एमबाप्पे ने 10 मिनट तक हिस्सा लिया। विश्व कप में शानदार फार्म में चल रहे एमबाप्पे फ्रांस के सबसे बड़े मैच विनर साबित हुए हैं। ऐसे में स्पेन के खिलाफ होने वाले सेमीफाइनल में उनकी मौजूदगी फ्रांस के लिए बड़ी राहत मानी जा रही है। फ्रांस और स्पेन के बीच यह बहुप्रतीक्षित सेमीफाइनल मंगलवार को खेला जाएगा, जिसमें विजेता टीम विश्व कप 2026 के फाइनल में प्रवेश करेगी।

भारत की साान्या चेन्नई चैलेंजर स्क्वैश के सेमीफाइनल में पहुंची

चेन्नई। भारतीय महिला स्क्वैश खिलाड़ी सान्या वत्स अच्छा प्रदर्शन करते हुए यहां जारी एचसीएल स्क्वैश पीएसए चैलेंजर टूर-स्क्वैश एकेडमी के सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। सान्या इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के महिला वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली अकेली भारतीय खिलाड़ी हैं। सान्या ने महिला क्वार्टर फाइनल में चौथी वरीयता प्राप्त सान्या ने अपनी ही देश की आठवीं वरीयता प्राप्त उन्नति त्रिपाठी को चार रोमांचक गेम में 11-6, 11-5, 8-11, 11-8 से हराया। अब सेमीफाइनल में सान्या का मुकाबला मिस्र की शीर्ष वरीयता प्राप्त रौकैया ओथमान से होगा। रौकैया ने अपने क्वार्टर फाइनल में पूजा आरती रघु को 11-9, 13-11, 11-7 से हराया। वहीं अन्य भारतीय महिला खिलाड़ियों में, तीसरी वरीयता प्राप्त राधिका सीलन को कोरिया की छठी वरीयता प्राप्त ह्वायेओंग ईम ने 11-13, 11-4, 11-6, 11-5 से हराया जबकि अनन्या नारायणन ने टूर्नामेंट के पहले दौर में जेनेट विधि को चार गेमों में हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया था।

इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से पहले विराट और गंभीर के बीच मतभेद की अटकलें

बर्मिंघम। भारत और इंग्लैंड के बीच यहां बुधवार से शुरु होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज को देखते

हुए भारतीय टीम ने यहां जमकर अभ्यास किया। शुभमन गिल की कप्तान में भारतीय टीम इस सीरीज में उतर रही है। टीम में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहजी और रोहित शर्मा भी इस सीरीज से वापसी कर रहे हैं। पहले एकदिवसीय मैच से पहले विराट और कोच गौतम गंभीर के बीच विवाद की अटकलों से भारतीय खेमे की चिन्ताएं बढ़ गयी हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार विराट और गंभीर के बीच बातचीत बंद है। इससे टीम में आंतरिक कलह की आशंकाएं तेज हो गयी हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार, अभ्यास सत्र के दौरान विराट और गंभीर के बीच कोई बातचीत नहीं हुई। जब विराट नेट्स में बल्लेबाजी कर रहे थे, तो गंभीर दूर से ही उन्हें देखते रहे। अभ्यास सत्र समाप्त होने के बाद, विराट सीधे बैटिंग कोच सितांशु कोटक के पास गए और उनसे लंबी चर्चा की, जबकि गंभीर से उन्होंने कोई बात नहीं की। इतना ही नहीं, जब गंभीर टीम के अन्य खिलाड़ियों से बात कर रहे थे, तो विराट बिना कुछ कहे सीधे अपना किट बैग लेकर आगे निकल गए। इससे भारतीय टीम में मतभेद की अटकलें शुरु हो गयीं।

भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच का पद छोड़ सकते हैं मोर्कल, टेन डोशेट

मुम्बई

इंग्लैंड दौरे के बाद भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के कोचिंग स्टाफ में बदलाव होने की संभावना है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस दौरे के बाद तेज गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल और सहायक कोच ryan टेन डोशेट कोचिंग स्टाफ से अलग हो सकते हैं। इसी कारण ये दोनो ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ बातचीत में लगे हुए हैं। कहा जा रहा है कि अब ये दोनो ही अपने पदों से इस्तीफा दे सकते हैं, जिससे भारतीय टीम के कोचिंग स्टाफ में बदलाव होना तय है। रिपोर्ट के अनुसार, टेन डोशेट टीम के साथ लगातार यात्रा करने से परेशानी का अनुभव कर रहे हैं। व्यस्त अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट शेड्यूल और साल भर टीम के साथ रहने की चुनौती के कारण वह अब कोच का काम जारी नहीं रखना चाहते हैं। उन्होंने अपनी समस्याओं से बोर्ड को अवगत करा दिया है और अब बोर्ड इस बारे में कब तक फैसला लेता है ये देखना होगा। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्कल अभी भी अपने विकल्पों पर विचार कर रहे हैं और उन्होंने कोई अंतिम फैसला नहीं लिया है। बीसीसीआई फिलहाल दोनों कोचों के साथ लगातार संपर्क में है और बीच का रास्ता निकालने की कोशिश कर रहा है। बोर्ड की प्राथमिकता है कि दोनों दिग्गजों की चिंताओं को दूर किया जाए जिससे वे मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ बने रहें। गौरतलब है कि मोर्कल और टेन डोशेट दोनों को मुख्य कोच गौतम गंभीर की विशेष सिफारिश पर ही बीसीसीआई ने नियुक्त किया था। इन दोनों ने इससे पहले आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) जैसी फ्रेंचाइजी में गंभीर के साथ मिलकर काम किया था। गंभीर इन दोनों के कोचिंग स्टाइल और कार्यप्रणाली से बेहद प्रभावित थे। रिपोर्ट्स की मानें तो यदि टेन डोशेट भारतीय टीम का साथ छोड़ते हैं, तो वह दोबारा किसी आईपीएल फ्रेंचाइजी के साथ जुड़ने पर विचार कर सकते हैं, जहां उन्हें साल के सिर्फ दो-तीन महीने ही व्यस्त रहना पड़ेगा। दूसरी तरफ, मोर्ने मोर्कल का भविष्य अभी भी अधर में लटका हुआ है। मोर्कल का बीसीसीआई के साथ मौजूदा अनुबंध इंग्लैंड दौरे के अंत तक ही है। यदि बातचीत का कोई सकारात्मक नतीजा नहीं निकलता है और मोर्कल अपने अनुबंध को आगे नहीं बढ़ाने का फैसला करते हैं।

वैभव को समय से पहले डेब्यू कराने और सैमसन को बाहर करने का फैसला अजीब रहा : जाफर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज वसीम जाफर ने कहा है कि जिस प्रकार से 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को कम उम्र में डेब्यू कराया गया। वह सही तरीका नहीं था। जाफर के अनुसार वैभव के डेब्यू के लिए अनुभवी संजू सैमसन को बाहर किया गया वह उससे भी अजीब बात रही है। हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई टी20 श्रृंखला के दौरान भारतीय टीम की सलामी जोड़ी में लगातार बदलाव देखने को मिला, जिससे कई दिग्गज क्रिकेटर नाराज हैं। उन्हीं में से एक जाफर का कहना है कि लगातार बदलाव से टीम20 सीरीज में टीम का प्रदर्शन भी प्रभावित हुआ। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड दौरे पर पहले तीन मैचों में संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा ने पारी की शुरुआत की, लेकिन जब सैमसन आयरलैंड के खिलाफ दो और इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में रन नहीं बन पाये तो तो युवा वैभव को उतरा गया। वैभव ने अगले तीन मैचों में अभिषेक शर्मा के साथ पारी शुरु की। जब वह भी इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों में प्रभावित नहीं कर पाए, तो सैमसन को फिर से टीम में शामिल कर लिया गया। इसी फेरबदल से जाफर नाराज हैं। जाफर ने एक वीडियो में साफ तौर पर कहा कि वैभव को टीम में शामिल करने में जल्दबाजी की गई। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमने वैभव को शामिल करने में जल्दबाजी की। मीडिया में उसके बारे में बहुत चर्चा थी और लोग उसे खेलते हुए देखकर बहुत भावुक थे। जाफर का मानना था कि सैमसन को ही पारी की शुरुआत करनी थी। टीम को यह संयोजेन नहीं बदलना चाहिए था। उन्होंने जोर दिया कि वैभव अभी बहुत युवा हैं और उन्हें अपने अवसर का इंतजार करना चाहिए था। टीम के साथ रहकर और बाहर से खेल को देखकर भी वह बहुत कुछ सीख सकते थे। पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि टीम प्रबंधन ने मीडिया हाइप के दबाव में वैभव को समय से पहले ही उतार दिया। जाफर के अनुसार, अगर टीम प्रबंधन संजू सैमसन के खराब फार्म को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त था, तभी यह फैसला लिया जाना चाहिए था पर बाद में उसे भी लगा कि वैभव को टीम में जल्दबाजी में शामिल कर लिया गया।

अर्जेंटीना-इंग्लैंड में प्रतिद्वंद्विता जुड़ी हैं इतिहास की घटनाओं से

अटलांटा

फीफा विश्वकप फुटबाल के दूसरे सेमीफाइनल में 16 जुलाई को अर्जेंटीना और इंग्लैंड के बीच मुकाबला होगा। ये मुकाबला केवल खेल से ही जुड़ा नहीं है। इसका दोनो देशों के बीच फाकलैंड द्वीप को लेकर हुए युद्ध और 1986 में हुए क्वार्टर फाइनल मुकाबले को लेकर भी एक अलग ही इतिहास है। तब अर्जेंटीना के महान खिलाड़ी डिएगो माराडोना ने विवादित हैंड आफ गाड गोल के जरिये इंग्लैंड को हराया था।

ऐसे में इस बार जब लियोनेल मेसी की अर्जेंटीनाई मैदान पर उतरेगी तो उसका लक्ष्य किसी भी प्रकार से इंग्लैंड पर जीत दर्ज करन रहेगा। वहीं हैरी कैन की कप्तानी में उतर रही इंग्लैंड का लक्ष्य भी जीत हासिल करना रहेगा। ऐसे में दुनिया भर की नजरें इस पर टिकी रहेंगी।

यहां तक कि टीम के खिलाड़ियों ने जश्न में जो गाना गाया, उसके बोलों ने अनचाहे ही अर्जेंटीना और इंग्लैंड के बीच की गहरी ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता को उजागर कर दिया। गीत में 1994 के विश्व कप में डिएगो माराडोना के निष्कासन का बदला लेने और इस्लास माल्विनास का जिक्र था, जो फाकलैंड द्वीप का अर्जेंटीनाई नाम है।

फाकलैंड द्वीप और हैंड आफ गाड गोल को लेकर रहा है विवाद

गौरतलब है कि इन द्वीपों को लेकर 1982 में दोनों देशों के बीच एक भयंकर युद्ध हुआ था, जिसमें 900 से अधिक लोगों की जान गई और हजारों घायल हुए थे। फाकलैंड द्वीप अर्जेंटीना के दक्षिणी तट से लगभग 400 किमी दूर स्थित हैं और वर्तमान में ये ब्रिटिश ओवरसीज टेरिटरी के नियंत्रण में हैं। अर्जेंटीना इन्हें स्पेनिश उपनिवेशों से विरासत में मिला अपना क्षेत्र बताता है, जबकि ब्रिटेन 1833 से इनके प्रशासन का हवाला देते हुए कहता है कि वहां के लोगों को अपना भविष्य तय करने का अधिकार है। आज भी फाकलैंड को लेकर दोनों देशों के बीच विवाद बना हुआ है। फुटबाल के मैदान पर भी इन दोनों देशों की प्रतिद्वंद्विता चरम पर रही है। इसमें फाकलैंड युद्ध की कड़वी यादों से लेकर फुटबाल के मैदान पर भगवान के हाथ तक, अर्जेंटीना और इंग्लैंड के बीच की यह प्रतिद्वंद्विता अब फुटबाल के एक और बड़े मुकाबले के रूप में सामने है।

भारत ने पहले वनडे में इंग्लैंड को 6 विकेट से हराया

गिल और वॉशिंगटन ने भी जड़े अर्धशतक, अक्षर ने बल्ले और गेंद दोनों से दिखाया दम, लक्ष्य चार विकेट खोकर हासिल

बर्मिंघम, एजेंसीः अक्षर पटेल के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत भारत ने पहले एकदिवसीय मुकाबले में इंग्लैंड को छह विकेट से पराजित कर श्रृंखला का विजयी आगाज किया। एजबेस्टन मैदान पर 259 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने 45.2 ओवर में चार विकेट पर 262 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। रोहित शर्मा 11 रन और विराट कोहली पांच रन बनाकर जल्दी पवेलियन लौट गए। इसके बाद कप्तान शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर ने पारी को संभालते हुए तीसरे विकेट के लिए 101 रन की साझेदारी की। श्रेयस अय्यर 35 रन बनाकर रनआउट हुए, जबकि केएल राहुल भी अधिक देर तक नहीं टिक सके और बोल्ड हो गए।

कप्तान शुभमन गिल ने 80 रन की शानदार पारी खेली, लेकिन मांसपेशियों में खिंचाव के कारण उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। इसके बाद अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर ने पांचवें विकेट के लिए 102 रन की अविजित साझेदारी कर भारत को जीत दिलाई। अक्षर पटेल 57 और वॉशिंगटन सुंदर 52 रन बनाकर नाबाद लौटे।

इससे पहले इंग्लैंड की टीम 47.5 ओवर में 258 रन पर सिमट गई। एक समय इंग्लैंड ने 61 रन तक कोई विकेट नहीं गंवाया था, लेकिन इसके बाद 19 रन के भीतर उसके पांच बल्लेबाज पवेलियन लौट गए। जो रूट ने 76 और लियाम डॉसन ने 68 रन बनाकर छठे विकेट के लिए 121 रन की साझेदारी की और टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। भारत की ओर से अक्षर पटेल ने सर्वाधिक चार विकेट हासिल किए। प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बरार ने दो-दो विकेट लिए, जबकि जसप्रीत बुमराह और शिवम दुबे को एक-एक सफलता मिली।

आईसीसी ने अफगान शरणार्थी महिला क्रिकेटरों के लिए पुनर्गठित किया टास्कफोर्स

आईसीसी क्वालिफिकेशन प्रणाली में शामिल करने का रोडमैप तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी

एडिनबर्ग

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अपनी वार्षिक बैठक में अफगान शरणार्थी महिला क्रिकेटरों के लिए चल रहे डेवलपमेंट पाथवे प्रोग्राम को जारी रखने की मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही आईसीसी ने विशेष टास्कफोर्स का पुनर्गठन करते हुए उसे वर्ष 2030 तक अफगान शरणार्थी महिला टीम को आईसीसी क्वालिफिकेशन प्रणाली में शामिल करने का रोडमैप तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी है।

आईसीसी बोर्ड ने अपनी स्वतंत्र निदेशक डा. रोज रिवाज और

आईसीसी चीफ एग्जीक्यूटिव्स कमेटी की सदस्य सारा कीन को भी इस विशेष टास्कफोर्स में शामिल किया है। वे बीसीसीआई, क्रिकेट आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर इस कार्यक्रम की निगरानी करेंगी।

डा. रोज रिवाज ने आईसीसी के हवाले से कहा कि यह पहल अफगान शरणार्थी महिला क्रिकेटरों के लिए सुनियोजित कोचिंग, प्रतिस्पर्धी मैचों और उच्च प्रदर्शन कार्यक्रमों का मजबूत ढांचा तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि आईसीसी क्रिकेट के माध्यम से अवसर उपलब्ध कराने के अपने संकल्प को आगे बढ़ा रहा है।

अफगान शरणार्थी महिला क्रिकेटर नाहिदा सपन ने कहा कि इस कार्यक्रम ने उन्हें सिर्फ क्रिकेट खेलने का मौका ही नहीं दिया, बल्कि एक टीम के रूप में साथ आने का अवसर भी प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि आईसीसी के दीर्घकालिक समर्थन से उन्हें अन्य देशों की खिलाड़ियों के समान अवसर मिलने की उम्मीद और मजबूत हुई है।

खिलाड़ी फिरोजा अफगान ने कहा कि पिछले एक वर्ष में भारत और इंग्लैंड के दौरे उनके जीवन के सबसे यादगार अनुभवों में शामिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि अपने-अपने देशों में बेहतर कोचों के साथ प्रशिक्षण और 2030 तक आईसीसी क्वालिफिकेशन में खेलने का लक्ष्य उन्हें लगातार बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगा।

आस्ट्रेलिया की पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर और ईट्स गेम आन की सह-संस्थापक मेल जोन्स ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम इन खिलाड़ियों के भविष्य के लिए बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि इन महिला क्रिकेटरों ने पिछले एक वर्ष में शानदार प्रगति की है और वे दुनिया भर की महिलाओं और लड़कियों के लिए प्रेरणा बन रही हैं।

युवराज ने अभिषेक शर्मा और वैभव की जमकर प्रशंसा करते हुए फिल्म टर्मिनेटर के पात्रों से की तुलना

लंदन

दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह ने बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि ये दोनो जिस प्रकार से निडर होकर खेलते हैं वह मुझे पंसद है। युवराज सिंह ने अपनी और इनकी तुलना हॉलीवुड फिल्म टर्मिनेटर के पात्रों से की है। युवराज ने कहा है कि मैं टर्मिनेटर हूं, अभिषेक टर्मिनेटर चार और वैभव टर्मिनेटर छह है।

गौरतलब है कि अभिषेक उनके शिष्य हैं जिन्हें व समय-समय पर सलाह देते रहे हैं। वहीं युवराज ने 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह आक्रामक बल्लेबाजी के विकास में अगला कदम है। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें इस युवा खिलाड़ी के साथ काम करने का अवसर मिलता है तो उन्हें खुशी होगी। युवराज ने कहा, मैं खुद को टर्मिनेटर कहता हूं। अब अभिषेक शर्मा के रूप में टर्मिनेटर चार आ गया है क्योंकि वह मुझसे चार गुणा बेहतर है। अब

वैभव सूर्यवंशी के रूप में टर्मिनेटर छह आ गया है।

युवराज ने कहा, मैंने अपने समय में अपना काम किया, अभिषेक ने इसे और आगे बढ़ाया और अब वैभव नए मानक स्थापित कर रहा है। यह उसी सफर का तीसरा चरण है। खेल को इस तरह विकसित होते देखना बहुत अच्छा लगता है। मैंने अभिषेक के साथ काफी समय बिताया है और मैं वैभव के साथ भी समय बिताना चाहूंगा। उसका भविष्य काफी अच्छा है। वहीं वैभव ने कहा कि युवराज के साथ बातचीत से उन्हें तकनीक को लेकर कई अच्छी जानकारियां मिली हैं। उन्होंने कहा, युवराज पाजी मेरे भी आदर्श हैं।

इंग्लैंड टीम जश्न मनाये पर तय सीमा नहीं लांघे : मैकुलम

लंदन। इंग्लैंड की सीमित ओवरों की क्रिकेट टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने अपने खिलाड़ियों को जश्न के दौरान शराब पार्टी की अनुमति दे दी है पर कहा है कि उन्हें अपनी तय सीमाओं को नहीं लांघना होगा। यह फैसला ऐसे समय आया है जब इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने शराब के सेवन को लेकर सख्त दिशा-निर्देश जारी किए थे। एक रिपोर्ट के अनुसार, इन दिशानिर्देशों में मैच से एक दिन पहले और मैच के दिन और मैच के तुरंत बाद शराब पीने पर प्रतिबंध लगाया गया है। वहीं मैकुलम ने टीम की हाला की सफलता और खिलाड़ियों के बीच अपने विश्वास को दिखाते हुए इन नियमों में राहत देने का फैसला किया है। ईसीबी की शराब से जुड़ी गाइडलाइंस में कहा गया है कि मुख्य कोच मैकुलम और मैनेजिंग डायरेक्टर राब की चाहें तो नियमों में राहत दे सकते हैं। वहीं अपने इस फैसले को लेकर मैकुलम ने कहा, हमारे बहुत से लोग खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ असल में शराब नहीं पीते हैं पर जिसे भी बीयर चाहिए, वह पी सकता है। गाइडलाइंस अभी भी लागू हैं और सभी खिलाड़ियों को इसकी जानकारी भेज दी गई है। यह पालिसी इसलिए बनाई गई है कि लोगों का ध्यान रखा जाए और वे सही फैसले लें। कोच ने अपने खिलाड़ियों पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा कि टीम को सफलता को सहज भाव ने लेना होगा।